विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत 9 नवंबर 2020

वर्ग सप्तम राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित।

एकादशः पाठः

याद कीजिए।

यक्षः युधिष्ठिरः संवाद

यक्षः - किं नु हित्वा प्रियो भवति, किं नु हित्वा न शोचति?

किं न हित्वार्थवान् भवति, किं हित्वा सुखी भवेत्?

यक्ष ने कहा- मनुष्य क्या चीज छोड़कर प्रिय होता है? किस वस्तु को छोड़कर प्रिय होता है? किस वस्तु को छोड़कर शौक नहीं करता है? क्या छोड़कर धनवान होता है? क्या छोड़कर सुखी होता है?

युधिष्ठिरः - मानं हित्वा प्रियो भवति, क्रोधं हित्वा न शोचति।

कामं हित्वार्थवान् भवति, लोभं हित्वा सुखी भवेत्।।

मनुष्य अहंकार छोड़कर प्रिय हो जाता है मनुष्य क्रोध को छोड़कर शौक नहीं करता है मनुष्य इच्छा कामना को छोड़कर धनवान हो जाता है। मनुष्य लोभ को छोड़कर सुखी हो जाता है ।

यक्षः - धान्यानामुत्तमं किंस्विद् धनानां स्यात् किमुत्तमम्?

लाभानामुत्तमं किं स्यात् सुखानां स्यात् किमुत्तमम्?

(अन्नो में उत्तम क्या है? धनो में उत्तम क्या है लाभों में उत्तम क्या है? सुखों में उत्तम क्या है?)

युधिष्ठिरः - धान्यानामुत्तमं दाक्ष्यं धनानामुत्तमं श्रुतम्।

बालानां से श्रेय आरोग्यं सुखानां तुष्टिरूत्तम।।

(अन्नो में उत्तम निपुणता है। धनो में श्रेष्ठ शास्त्र-ज्ञान है। लाभो श्रेष्ठ निरोगता है। सुखों में श्रेष्ठ संतोष है।)